Bible Study Discussion Groups		
1. Fatehpur Beri	Eileen C Daniels, 22-A, Asola, Fatehpur Beri, Main Road	9871614417
Leaders	S. K. Roberts	8700816859
2. Vasant Kunj	George Koshi, D-4/4059, Vasant Kunj, New Delhi	9811571572
Leaders	George Koshi	9811571572
3. Vasundhara	Daniel Singh, 17-G,/243, Green View Apartments, Vasundhara, Ghaziabad.	9811269820
Leaders	George Varughese	9811012431
4. Shanti Niketan	VP Benjamin, 2/25, Shanti Niketan, New Delhi	9810054909
Leaders	Swapna Benjamin, Stephen Benjamin	9810054909
5. Malviya Nagar	Anubhav Singh, 4-4/3, LG.F., Malviya Nagar	8506060427
Leaders	Prashant Lall	9654199010
6. Dwarka	Sudhir Jathanna, Flat no. 32, The Residency, Plot 8 -A, Sector 7, Dwarka	9560940200
Leaders	K. J. S. Prasada Rao	9818879384
7. A V Nagar	Anil George, H. NO. 348, New Type 3, AV Nagar, New Delhi	9868606007
Leaders	Gulab Singh	9868467128

BIRTHDAYS & ANNIVERSARIES	
3rd Nov.	Kevin Alexander
4th Nov.	Stephen Able
9th Nov.	Soma Sundaram, Mr. & Mrs. Parvez Able

Please pray for our church family members who are in need of your prayer support:

Ms. Sanjivani Agarwal, Master Isaiah, Mr. Eugene Samuel, Ms. Melisa Dass, Mrs Sujaya Kingston, Mrs Shirley Thomas, Mrs. T M Lall, Ms. Deepshika Joel, Rev. GH Grose, Mrs. Hilda Immanuel, Ms. Shiela Choudhary, Mr. Stephen Able and Mr. Dalip Kumar Ghosh.

NOTICES

- Next Sunday will be a combined service at 9:30 am followed by the fete. Bishop Warris K Masih will be present to confirm our children and to open our Fete.
  - Those who have taken donation booklets, kindly return the money immediately.
  - 7 consolation prizes above Rs. 1000/- are needed.
  - We encourage you to donate household items, other articles, appliances, clothing etc.—new or in good condition for **White Elephant Stall**.
  - We are looking for people who would be willing to put up any of the following stalls: Mutton Biryani, Aloo Tikki/ Bhelpuri/ Chaat, Fish Fry, Mutton Korma and Roti, Chole Bhature and any other interesting food stall.
  - Stall holders are requested to collect the stall requirement forms from Mr. Iliyashi. Fill them up and return it today itself.
- We are inaugurating church's official website from today. Those who are interested to give any thing for the website may kindly send it on the church's e-mail id, i.e., officegpfc@gmail.com .
- Collection from last Sunday Services was **Rs. 35,625/-**

GREEN PARK FREE CHURCH

CNI, Diocese of Delhi,

A-24 Green Park, New Delhi-110016

पवित्र आत्मा के अवतरण के पश्चात इक्कीसवाँ रविवार

03 नवम्बर 2019

निरंतर प्रार्थना करते रहना, और निराश न होना।

Website: www.freechurchgreenpark.com

Presbyter-in-Charge	Associate Presbyter	Hon Secretary	Hon Treasurer
Rev Dr Paul Swarup 9811397771	**Rev. Vishal R. Paul** 9313912594, 8700784065	**Mr. Dennis Singh** 9811269792, 8700319032	**Mrs. Kiran Mohan** 9811477154

Regular Sunday Service

Hindi: 8:30 a.m., English: 10:30 a.m., Evening Worship: 5:30 p.m.

Church Office: 011– 42637508, 26561703,

gpfc.delhi@gmail.com, officegpfc@gmail.com

PLEASE SWITCH OFF YOUR MOBILE PHONES WHILE IN THE CHURCH

Pastor Writes

आपको जय मसीह की! जब हम सेना के किसी भी सफल ऑपरेशन को देखते हैं, तो सफलता के लिए महत्वपूर्ण कारकों में से एक खुफिया रिपोर्ट है। यदि सेना को पूरी तरह से पता है कि आतंकवादी शिविर कहां हैं और सभी तार्किक विवरण हैं, तो सर्जिकल स्ट्राइक की योजना बनाना और दुश्मन को नष्ट करना आसान है। युद्ध जीतने के लिए और स्वयं का बचाव करने के लिए दुश्मन का गहन ज्ञान आवश्यक है। आत्मिक क्षेत्र में भी यही सिद्धांत है। दुष्ट के हमलों को दूर करने के लिए दुश्मन का गहन ज्ञान आवश्यक है। अगर हम दुश्मन को कम आंकते हैं और हमें ईश्वर के कवच की कोई आवश्यकता नहीं दिखती है, तो हम जल्दी से हार जाएंगे और नष्ट हो जाएंगे। शैतान के साथ युद्ध में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख हथियारों में से एक प्रार्थना है, प्रार्थना को जारी रखना। जैसे युद्ध जीतने के लिए सैन्य खुफिया महत्वपूर्ण है, वैसे ही आध्यात्मिक युद्ध में भी उत्साह और दृढ़ता से प्रार्थना करना महत्वपूर्ण है।

इफिसियों को लिखे पत्र में, पौलुस मसीहियो को प्रभु में और अपनी शक्तिशाली शक्ति में मजबूत होने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। वह इफिसियों के मसीहो को परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो; कि तुम शैतान की युक्तियों के साम्हने खड़े रह सको। पौलुस यह ध्यान में लाता है कि यह मल्लयुद्ध, लोहू और मांस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।

दुश्मन को समझने के लिए जो हमारे खिलाफ हैं, हमें याद रखना चाहिए कि वह एक शक्तिशाली दुश्मन है।वास्तव में, शैतान को यीशु ने खुद इस जगत का 'सरदार' कहा है। (जॉन १२:३१) और जॉन के कथन से पता चलता है कि 'सारा संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है।'(1 जौन 5:19) इन आयतों ने क्रूस पर यीशु द्वारा प्रधानों से और अधिकारियों पर निर्णायक विजय को नकारा नहीं है, लेकिन संकेत मिलता है कि शैतान और उसकी सेना अभी तक पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए हैं। शैतान शक्तिशाली है और उसकी शक्ति इंद्रजाल, जादु, टोना, वूडू, तांत्रिक और गुप्तचर सभी अंधेरे की वास्तविक ताकत हैं जो लोगों को प्रभावित करने की शक्ति रखते हैं। यीशु के अनुयायियों के रूप में हम ऐसे लोगों से मुठभेड़ कर सकते हैं जो इस तरह की आत्माओं से प्रभावित हैं और हम उन्हें केवल जब ही बाहर निकाल सकते हैं जब हम प्रार्थना में लगे रहते हैं।

इन शैतानी शक्तियों के बारे में दूसरी बात यह है कि वे दुष्ट हैं। शैतान और उसकी ताकतें लोगों को तबाह करने के लिए अपनी शक्ति का इस्तेमाल करती हैं। अंधेरे की इन ताकतों के कोई नैतिक सिद्धांत नहीं हैं, कोई सम्मान संहिता नहीं है और लोगों पर हमला करने के लिए निर्मम साधनों का उपयोग करते।

तीसरा, पौलुस हमें यह भी याद दिलाता है कि अंधेरे की ये ताकतें चालाक हैं जो सामरिक चतुराई और सरल धोखे संयोजन से काम करती हैं। वे प्रकाश के दूत की तरह होने का दिखावा करते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि उसे 'प्राचीन नाग' कहा जाता है, जो हमें समझौता करने के लिए बहकाता है और खुले तौर पर हमला करने के बजाय हमें बहकाकर धोखा देता है। पौलुस इसके बाद हमें बताता है कि अंधेरे की इन ताकतों का मुकाबला करने के लिए कैसे तैयार रहना चाहिए। वह शैतान के खिलाफ दृढ़ रहने के लिए आत्मिक कवच की छह वस्तुओं को लगाने का सुझाव देता है। सबसे पहले, सत्य से अपनी कमर कसकर| शैतान को सच्चाई पसंद नहीं है। छल-कपट और झूठ-मूठ सब शैतान के ऊँगली के निशान हैं। शैतान को जिससे नफरत है वह सच्चाई है और इसलिए विश्वासियों के लिए सच्चाई महत्वपूर्ण है। दूसरी बात जो वह हमें बताता है कि धार्मीकता की झिलम पहिन कर। अगर धार्मिकता परमेश्वर के साथ एक सही रिश्ते में होने से आती है, तो हमें नैतिक रूप से ईमानदार जीवन जीने के लिए भी कहा जाता है। सत्य को बढ़ाना शैतान के धोखे को खत्म करने और जो उसके प्रलोभनों का विरोध करने का तरीका है।

तीसरी बात, वह कहता है, 'पांवों में मेल के सुसमाचार की तैयारी के जूते पहिन कर।' दूसरे शब्दों में, पौलुस विश्वासियों को दूसरों को यीशु मसीह की खुशखबरी के बारे में गवाही देने के लिए कह रहा है जो बदले में हमारे अपने विश्वास को मजबूत करेंगे।

चौथा, वह हमें लेने के लिए कहता है, उन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो जिस से तुम उस दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको। जब हम ऐसा करते हैं, तो परमेश्वर स्वयं हमारे लिए एक कवच है। विश्वास परमेश्वर के वादों से मजबूत होता है।

पांचवीं बात, वह हमसे कहेता है, 'उद्धार का टोप' पहन कर| क्षमा, शैतान के बंधनों से मुक्ति, ईश्वर के परिवार में अपनाने से हमें दृढ़ रहने में मदद मिलेगी।

अंत में, वह कहते हैं कि, आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का वचन है, ले लो। पवित्र आत्मा केवल परमेश्वर के वचन के अनुसार काम कर सकता है और इसलिए, हमें परमेश्वर के वचन को जानने में खुद को उसमे डुबोना है।

यह सब प्रार्थना में डूबा होना चाहिए। हम देखते हैं कि अगले तीन पदों में पौलुस तीन बार 'प्रार्थना' शब्द का उपयोग करता है। हमें अपने जीवन में और अपने चर्च के जीवन में और दूसरों के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रार्थना में दृढ़ रहना आवश्यक है। परमेश्वर वास्तव में प्रार्थना में दृढ़ रहने में हमारी मदद करें।

शालोम
पॉल स्वरुप

प्रार्थना क्रम

प्रार्थना की बुलाहट

"हे परमेश्वर, सिय्योन में स्तुति तेरी बाट जोहती है; और तेरे लिये मन्नतें पूरी की जाएंगी। सब प्राणी तेरे ही पास आएंगे।" (भजन 65:1,2)

धर्मसेवक	पॉल स्वरूप	
अगुआ	विशाल पॉल	
प्रारंभिक गीत	म. गी. कि. 569	हमसे बरनी न जाए
तैयारी	क्रम संख्या 3 से 5	विशाल पॉल
प्रथम पाठ	निर्गमन 17:8-12	इलियाशी हैरीसन
दूसरा पाठ	इफिसियो 6:10-20	शालिनी डी. सिंह
गीत	म. गी. कि. 203	अब खुदा को शाह आसमानी
सुसमाचार	लूका 18:1-8	विशाल पॉल
उपदेश		विशाल पॉल
निकाया का अक़ीदा	क्रम संख्या 14	सब
सूचनाएँ		पॉल स्वरूप
सिफ़ारशी दुआएँ	क्रम संख्या 16	दीपा लाज़रस
गुनाहों का इक़रार	क्रम संख्या 17- 19	विशाल पॉल
क्षमादान और शांति अभिवादन	क्रम संख्या 20 और 22	पॉल स्वरूप
प्रार्थना और हदिये का गीत	म. गी. कि. 285	बरकते तू है बरसाता **जो लोग इस हफ्ते अपना जन्मदिन और सालगिरह मना रहे हैं.**
प्रभु भोज	क्रम संख्या 26-40	पॉल स्वरूप
आशीष वचन	क्रम संख्या 45	पॉल स्वरूप
अन्तिम गीत	म. गी. कि. 664	रब्ब ख़ुदावंद बादशाह

कौलेक्ट

हे परमेश्वर, आप ही हमारा शरण-स्थल और बल हैं; अपने निज लोगों के हृदय को साहस और भक्ति-भावना से परिपूर्ण कीजिए। वर दीजिए कि वे संकट की घड़ी में अटूट भरोसे के साथ आपसे प्रार्थना करें, और आप उनके विश्वास के कारण उनकी प्रार्थना सुनें; हमारे प्रभु येशु मसीह के द्वारा, जो आपके और पवित्र आत्मा के साथ एक परमेश्वर हैं, और अब तथा सदा-सर्वदा जीवित और राज्य करते हैं। **आमीन।**